नई दुनिया 22/06/17

अच्छी खबर राज्य में इस साल लागू होने वाली नई खेल नीति में प्रदेश को खेलों का हब बनाने की योजना

नया रायपुर में बनेगा मल्टी स्पोर्ट्स केंद्र

नईदुनिया एक्सलूसिव

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

राज्य में इस साल लागू होने वाली नई खेल नीति में खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही खेलों को बढ़ावा देने के कई दूसरे उपाय भी सुझाए गए हैं। खेल एवं युवक कल्याण विभाग के सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि नया रायपुर में एक मल्टी स्पोर्ट्स केंद्र बनाया जाएगा। इस एक भवन में प्रदेश के ओलिंपिक संघ समेत विभिन्न खेल संघों के दफ्तर खोले जाएंगे। राज्य में खेल सामग्री के उत्पादन के लिए खेल वस्तु विशेष आर्थिक जोन भी बनाने का

प्रस्ताव है। राज्य सरकार छत्तीसगढ़ को खेलों का हब बनाने की योजना पर काम कर रही है। राज्य में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। आदिवासी इलाकों में तीरंदाजी, कुश्ती, दौड़ आदि के कई खिलाड़ी हैं, जो आगे नहीं आ पाते। 2017 में एक ऐसी खेल नीति लाने की तैयारी की जा रही है, जिससे

खेल संघों के दफ्तर होंगे एक भवन में

खेल सामग्री उत्पादन के लिए आर्थिक जोन का भी प्रस्ताव

प्रदेश में खेलों का माहौल बने और यहां से प्रतिभाएं राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रोशन करें।

नई खेल नीति में खिलाड़ी या खेल को गोद लेने की खेल-खिलाड़ी गोदनामा की शुरुआत की जा रही है। राज्य में निजी क्षेत्र, गैर सरकारी संगठनों, एनजीओ आदि के सहयोग से खेलों का लगातार आयोजन कराने की योजना बनाई गई है। खेलों को पैसे की कमी न हो इसके लिए प्रस्ताव लाया जा रहा है कि जिलों में खनिज निधि का एक अंश खेलों के विकास में उपयोग में लाया जाए। विधायक और सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि की राशि का भी निश्चित भाग खेलों में दिलाने की कार्ययोजना बनाई गई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों को खेलों के लिए मुख्यमंत्री खेलवृत्ति योजना शुरू करने का भी प्रस्ताव है। स्कूलों, कॉलेजों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आमंत्रित कर छात्रों को खेलों के प्रति जागरूक किया जाएगा। राज्य में खेल का वातावरण बनाने के लिए खेल उत्सव, मैराथन जैसी प्रतियोगिताओं का लगातार आयोजन किया जाएगा। स्कूलों में पेशेवर खेल प्रशिक्षकों की संविदा नियुक्ति की जाएगी।

सूचना प्रौद्योगिकी का भी उपयोग

नई खेल नीति में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा। सोशल साइट्स फेसबुक, वॉट्सअप आदि का ग्रुप बनाकर खिलाड़ियों को जोड़ा जाएगा। खेल डाटा बैंक का निर्माण किया जाएगा, जिसमें प्रतिभा चयन, कोचिंग, कौशल प्रगति, खिलाड़ी कल्याण, अधोसंरचना, प्रतिस्पर्धा आदि की जानकारी उपलब्ध होगी।